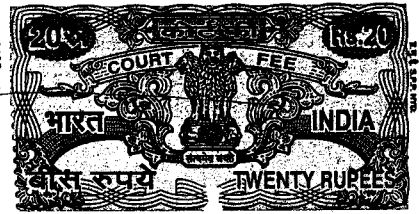
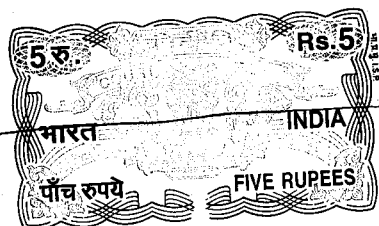
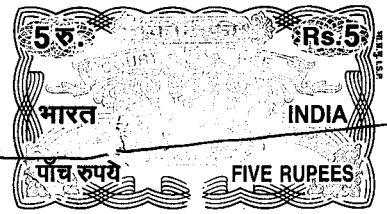


5

निग / 3096 / III / 15



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 12084 निगरानी

- १- सीताराम पुत्र नारायण सिंह रावत,
  - २- धर्मेंद्र पुत्रगण सीताराम रावत,
  - ३- हरबीर ।
  - ४- ठाकुरलाल पुत्र लिलुजा सेहर,
- समस्त निवासीगण - ग्राम- पहीरा, तैस्सील  
कोलारस जिला शिवपुरी-मध्य प्रदेश ।

दिनांक 11-9-15 को  
श्री सुभाष क. महादय  
कोलारस जिला शिवपुरी

व  
11.9.15  
30

श्री सुभाष क  
991 494

----- प्राधीगण

बिराघद

- १- औतार सिंह पुत्र हुकुम सिंह जाट,
  - २- श्रीमती सोमोती पत्नी औतार सिंह जाट,
- निवासीगण ग्राम टैहरकी तैस्सील पलवल,  
जिला फरीदाबाद, हरियाणा-हाल निवासीगण  
ग्राम टीला, तैस्सील कोलारस, जिला शिवपुरी  
(मध्य प्रदेश)

----- प्रतिप्राधीगण

निगरानी बिराघद आदेश एस०डी०ओ० श्रीमहोदय कोलारस दिनांकी  
३१-०७-२०१५ अन्तर्गत धारा ५० मध्य प्रदेश मू-राजस्व संहिता १९५६।  
प्र०क्र० २६।१४-१५ अपील ।

श्रीमान् जी,

निगरानी का आवेदन-पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- १- यह कि, अधीरस्थ न्यायालय की विवादित आशा कानूनन सही  
-नहीं है ।
- २- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी  
स्थिति को सही नहीं रूप से नहीं समझा है ।
- ३- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय ने धारा २१० मू-राजस्व संहिता के

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 3096-तीन/2015

जिला शिवपुरी

सीताराम आदि

विरुद्ध

औतार सिंह आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
24-9-2015	<p>आवेदक द्वारा यह निगरानी म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत अनुविभागीय अधिकारी कोलारस जिला शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 26/2014-15/अपील माल में पारित आदेश दिनांक 31-7-2015 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अधीनस्थ न्यायालय के आदेश की सत्यापित प्रति का अवलोकन किया जिससे प्रकट होता है कि अनुविभागीय अधिकारी ने दिनांक 31-7-2015 को अंतिम आदेश पारित किया है जिसके विरुद्ध द्वितीय अपील आयुक्त को की जानी चाहिए। आवेदक चाहे तो सक्षम न्यायालय में अपील प्रस्तुत करने के स्वतंत्र है। दर्शित परिस्थितियों निगरानी इस न्यायालय प्रचलन योग्य नहीं होने से ग्राह्यता के स्तर पर ही निरस्त की जाती है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p>(डॉ० मधु खरे) सदस्य</p>